ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम का उन्मुखीकरण कार्यक्रम में रावे के छात्रों के लिए 14 गांवों का चयन

जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा द्वारा कृषि स्नातक के सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के अंतर्गत सत्र 2023-24 में कुल 14 गांवों का चयन किया गया। जिसमें विकासखंड महेवा के बहेड़ा , शेरपुर कोठी , आमहार, जगमोहनपुरा, व्यासपुरा, बिजौली, परसूपुरा, नगला बनी , हर्राजपुरा, गौतमपुरा, मनियामऊ, टिली-टीला, विरारी तथा आनेपुर का चयन किया गया। रावे कार्यक्रम के संयोजक व मृदा संरक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पी के राजपूत की देखरेख में एवं मार्गदर्शन में कॉलेज के छात्र कृषकों के मध्य जाकर ग्रामीण जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित कृषि क्रियाकलापों का विधिवत अध्ययन कर व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक गांव में 10-10 छात्रों का एक समूह जाएगा तथा प्रत्येक छात्र एक प्रगतिशील कृषक का चयन कर कृषि उत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर एवं उनके निदान के बारे में नवीन तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि कृषकों के प्रमुख समस्याएं जैसे उन्नतशील प्रजातियों का चयन , बीज उपचार, मृदा परीक्षण, भूमि शोधन, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग , जैविक खेती, हानिकारक कीटों एवं व्याधियों से फसलों का बचाव एवं उचित फसल चक्र अपनाकर कृषकों की आमदनी बढ़ाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। कृषि संकाय के डीन डॉ अशोक पांडेय ने बताया कि छात्रों को 45 दिवसीय कृषि औद्योगिक सम्पर्क के अंतर्गत दो कंपनियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे कि कृषि स्नातक छात्र स्वयं अपना व्यवसाय कर सकेंगे। कृषि औद्योगिक संपर्क के लिए इम्पियांटो क्राप साइंस के गौरव कुमार दुबे तथा वमशा एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के शशांक भारद्वाज द्वारा छात्रों को फील्ड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सस्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने बताया कि चयनित गांव में रबी फसलों पर आधारित गांव में कृषि गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा , जिससे कि गांव के कृषकगण लाभान्वित हो सकेंगे इस अवसर पर कालेज वरिष्ठ अध्यापक डॉ एमपी यादव, डॉ डीएन सिंह, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ संजीव कुमार, डॉ मनोज यादव आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

छात्रों के लिये ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत 14 गांवों का हुआ चयन

चेतना कार्यालय

बकेवर। जनता कॉलेज बकेवर द्वारा कृषि स्नातक के सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के अंतर्गत सत्र 2023-24 में कुल 14 गांवों का चयन किया गया। जिसमें विकासखंड महेवा के बहेड़ा, शेरपुर कोठी, आमहार, जगमोहनपुरा, व्यासपुरा, बिजौली, परसूपुरा, नगला बनी, हर्राजपुरा, गौतमपुरा, मनियामऊ, टिली-टीला, विरारी तथा आनेपुर का चयन किया गया। रावे कार्यक्रम के संयोजक व मृदा संरक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पी के राजपूत की देखरेख में एवं मार्गदर्शन में कॉलेज के छात्र कृषकों के मध्य जाकर ग्रामीण जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित कृषि क्रियाकलापों का विधिवत अध्ययन कर व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक गांव में 10-10 छात्रों

का एक समूह जाएगा तथा प्रत्येक छात्र एक प्रगतिशील कृषक का चयन कर कृषि उत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर एवं उनके निदान के बारे में नवीन तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि कृषकों के प्रमुख समस्याएं जैसे उन्नतशील प्रजातियों का चयन, बीज उपचार, मृदा परीक्षण, भूमि शोधन, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, जैविक खेती, हानिकारक कीटों एवं व्याधियों से फसलों का बचाव एवं उचित फसल चक्र अपनाकर कृषकों की आमदनी बढ़ाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। सस्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने बताया कि चयनित गांव में रबी फसलों पर आधारित गांव में कृषि गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे कि गांव के कृषकगण लाभान्वित हो सकेंगे इस अवसर पर कालेज वरिष्ठ अध्यापक डॉ एमपी यादव, डॉ डीएन सिंह, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ संजीव कुमार, डॉ मनोज यादव आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

14 गांवों के छात्र सीखेंगे खेती की बारीकियां

संवाददाता बकेवर, इटावा

अमृत विचार। जनता कालेज बकेवर में कृषि स्नातक के सातवें सेमेस्टर के छात्रों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड महेवा के बहेड़ा, शेरपुर कोठी, आमहार, जगमोहनपुरा, व्यासपुरा, बिजौली, परसूपुरा, नगला बनी, हर्राजपुरा, गौतमपुरा, मनियामऊ, टिलीटिला, बिरारी तथा आनेपुर कुल 14 गांवों का चयन किया गया।

रावे से संबंधित बैठक में उपस्थित शिक्षक एवं छात्र छात्राएं। अमृत विचार

रावे कार्यक्रम के संयोजक व मृदा संरक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पी के राजपूत की देखरेख में छात्र अब कृषकों के मध्य जाकर ग्रामीण जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित कृषि क्रियाकलापों का विधिवत अध्ययन कर व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे। प्राचार्य डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक गांव में 10-10 छात्रों का एक समूह जाएगा। प्रत्येक छात्र एक प्रगतिशील कृषक का चयन कर कृषि उत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन कर एवं उनके निदान के बारे में नवीन तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि कृषकों के प्रमुख समस्याएं जैसे उन्नतशील प्रजातियों का चयन, बीज उपचार, मृदा परीक्षण, भूमि शोधन, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, जैविक खेती, हानिकारक कीटों एवं व्याधियों से फसलों का बचाव एवं उचित फसल चक्र अपनाकर कृषकों की आमदनी बढ़ाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। कृषि संकाय के डीन डॉ अशोक पांडेय ने बताया कि छात्रों को 45 दिवसीय कृषि औद्योगिक सम्पर्क के अंतर्गत दो कंपनियों द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कृषि औद्योगिक संपर्क के लिए इम्पियांटो क्राप साइंस के गौरव कुमार दुबे तथा वमशा एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के शशांक भारद्वाज द्वारा छात्रों को फील्ड में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सस्य विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने बताया कि चयनित गांव में रबी फसलों पर आधारित गांव में कृषि गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिससे कि गांव के कृषकगण लाभान्वित हो सकेंगे। इस अवसर पर कालेज वरिष्ठ अध्यापक डॉ एमपी यादव, डॉ डीएन सिंह, डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ संजीव कुमार, डॉ मनोज यादव आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कृषकों के क्रियाकलापों का अध्ययन करेंगे कृषि के छात्र

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के लिए ब्लाक महेवा के 14 गांवों का चयन

संवाद न्यूज एजेंसी

बकेवर। जनता कालेज बकेवर में कृषि के सातवें सेमेस्टर के छात्रों का ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के लिए कुल 14 गांवों का चयन किया गया। इसमें विकासखंड महेवा के बहेड़ा, शेरपुर कोठी, आमहार, जगमोहनपुरा, व्यासपुरा, बिजौली, परसूपुरा, नगला बनी, हर्राजपुरा, गौतमपुरा, मनियांमऊ, बिरारी और आनेपुर का चयन किया गया है।

रावे कार्यक्रम के संयोजक एवं मृदा सरंक्षण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पीके राजपूत की देखरेख में कृषि के सातवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं गांवों में कृषकों के बीच जाकर ग्रामीण जीवन की पृष्ठभूमि पर आधारित कृषि क्रियाकलापों का अध्ययन कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक गांव में दस-दस छात्रों का एक समूह जाएगा। प्रत्येक छात्र एक प्रगतिशील कृषक का चयन कर कृषि उत्पादन में आने वाली विभिन्न समस्याओं का अध्ययन करेगा। उनके निदान के बारे में नई तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करेंगे।

कार्यक्रम में शामिल शिक्षक व छात्र-छात्राएं। संवाद

बताया कि कृषकों के प्रमुख समस्याएं जैसे उन्नतशील प्रजातियों का चयन, बीज उपचार, मृदा परीक्षण, भूमि शोधन, संतुलित उर्वरकों का प्रयोग, जैविक खेती और हानिकारक कीटों से फसलों का बचाव एवं उचित फसल चक्र से संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी । कृषि संकाय के डीन डॉ. अशोक पांडेय ने बताया कि छात्रों को 45 दिवसीय कृषि औद्योगिक सम्पर्क के अंतर्गत दो कंपनियों से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे कृषि स्नातक छात्र स्वयं अपना व्यवसाय कर सकेंगे।

इम्पियांटो क्राप साइंस के गौरव कुमार दुबे और वमशा एग्रो इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के शशांक भारद्वाज ने छात्रों को फील्ड में प्रशिक्षण दिया। डॉ. एमपी सिंह ने बताया कि चयनित गांवों में रबी फसलों पर आधारित कृषि गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। जिससे गांव के किसान लाभान्वित हो सकें। इस दौरान वरिष्ठ अध्यापक डॉ. एमपी यादव, डॉ. डीएन सिंह, डॉ. संजय विश्वकर्मा, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. मनोज उपस्थित रहे।